भारत: विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

स्रोत: लाइवमिंट

नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) **शासी परिषद की 10वीं बैठक** में नीति आयोग के CEO ने घोषणा की कि **भारत जापान से आगे** निकलते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जिसका **सकल घरेलू उत्पाद 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक हो गया है।

- भारत, **विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था** बना हुआ है और यह एकमात्र ऐसा देश है जिसकी **अगले दो वर्षों तक वार्षिक संवृद्धि दर 6% से अधिक** रहने का अनुमान है।
  - **इस क्रमिक संवृद्धि से भारत का** सकल घरेलू उत्पाद (GDP) वर्ष 2028 तक 5.58 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है, जिससे यह **जर्मनी को पीछे** छोड़ते हुए **विश्व स्तर पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था** बन जाएगा।
- इससे पहले, **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** ने अपनी विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट, 2025 में अनुमान लगाया था कि भारत **वर्ष 2025** में 4.187 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की नॉमिनल GDP के साथ जापान के 4.186 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से आगे निकलकर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।
- **नीति आयोग:** नीति आयोग की स्थापना **1 जनवरी 2015** को भारत के **योजना आयोग** के स्थान पर की गई थी।
  - इसका गठन **भारत सरकार के प्रमुख नीतिगत थिंक टैंक** के रूप में कार्य करने हेतु किया गया था, जिसका उद्देश्य सहकारी संघवाद के माध्यम से समावेशी एवं सतत् विकास सुनिश्चित करना है।
  - **भारत के प्रधानमंत्री** इसके अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, जबकि **उपाध्यक्ष** की नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।
  - इसकी शासी **परिषद** में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री तथा केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल शामिल होते हैं, जिससे इसमें पूरे देश का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है।

नीति आयोग

(राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था)

इतिहास- योजना आयोग

वर्ष **1950** में निवेश संबंधी गतिविधियों को निर्देशित करने हेतु स्थापित

1 जनवरी, 2015 को नीति आयोग द्वारा प्रतिस्थापित

नीति आयोग की संरचना

- **अध्यक्ष**
  प्रधानमंत्री
- **शासी मंत्रिपरिषद्**
  CMS (राज्य) और उपराज्यपाल (VTS)
- **क्षेत्रीय परिषदें**
  आवश्यकतानुसार गठित, जिसमें क्षेत्र के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल शामिल होते हैं
- **सदस्य**
  पूर्णकालिक
- **अंशकालिक सदस्य**
  अधिकतम 2, क्रमिक, महत्त्वपूर्ण संस्थानों से
- **पदेन सदस्य**
  अधिकतम 4 मंत्रिपरिषद् से, प्रधानमंत्री द्वारा नामित
- **विशेष आमंत्रितकर्त्ता**
  अनुभवी, विशेषज्ञ, डोमेन ज्ञान वाले अभ्यासकर्त्ता
- **मुख्य कार्यकारी अधिकारी**
  निश्चित कार्यकाल के लिये प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त (सचिव रैंक)
- **सचिवालय**
  आवश्यकतानुसार

प्रमुख पहलें

- सतत् विकास लक्ष्य (SDG) इंडिया इंडेक्स
- अटल इनोवेशन मिशन
- ई-अमृत पोर्टल (इलेक्ट्रिक वाहन)
- सुशासन सूचकांक
- भारत नवाचार सूचकांक
- आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम
- 'मेथनॉल अर्थव्यवस्था' कार्यक्रम

उद्देश्य

- **सहकारी संघवाद** को बढ़ावा देना
- **विश्वसनीय योजनाओं के निर्माण** हेतु तंत्र विकसित करना **(ग्रामीण स्तर पर)**
- आर्थिक रणनीति और नीति में **राष्ट्रीय सुरक्षा** संबंधी हितों को बढ़ावा
- **सुभेद्य वर्गों** पर विशेष **ध्यान**
- **प्रमुख हितधारकों, नेशनल-इंटरनेशनल थिंक टैंक, शोध संस्थानों** के बीच साझेदारी के लिये सलाह और प्रोत्साहन प्रदान करना
- **ज्ञान, नवाचार और उद्यमशीलता सहायता प्रणाली** का निर्माण
- अंतर-क्षेत्रीय और अंतर-विभागीय **मुद्दों के समाधान हेतु मंच** प्रदान करना
- **अत्याधुनिक संसाधन केंद्र** (state-of-the-art Resource Centre) बनाए रखना

नीति आयोग बनाम योजना आयोग

नीति आयोग	योजना आयोग
यह एक सलाहकार थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है।	यह गैर-संवैधानिक निकाय के रूप में कार्य करता था।
इसमें व्यापक विशेषज्ञ सदस्य शामिल होते हैं।	इसमें सीमित विशेषज्ञता थी।
प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त सचिवों को CEO के रूप में जाना जाता है।	सचिवों को सामान्य प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्त किया जाता था।
यह योजना के 'बॉटम-अप' दृष्टिकोण पर केंद्रित है।	इसने 'टॉप-डाउन' दृष्टिकोण का अनुसरण किया।
इसके पास नीतियाँ लागू करने का अधिकार नहीं है।	राज्यों पर नीतियों को लागू किया और अनुमोदित परियोजनाओं के साथ धन का आवंटन किया।
इसके पास निधि आवंटित करने का अधिकार नहीं है, जो वित्त मंत्री में निहित है।	इसे मंत्रालयों और राज्य सरकारों को निधि आवंटित करने का अधिकार था।

प्रमुख पहलें

- राज्यों को **विवेकाधीन निधि** प्रदान करने का **अधिकार नहीं**
- केवल एक **सलाहकार निकाय**
- **निज़ी या सार्वजनिक** निवेश को **प्रभावित करने में कोई भूमिका नहीं**
- **संगठन का राजनीतिकरण**
- सकारात्मक बदलाव लाने के लिये **अपेक्षित शक्ति (Requisite Power) का अभाव**

Drishti IAS

और पढ़ें: वशि्व आर्थकि परदृिश्य रपिोर्ट, 2025

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-becomes-world-s-4th-largest-economy